प्रकाशन : 2/2015

खरगोश पालन

डॉ. बसन्त बैस
डॉ. संजय कुमार

।।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।।

विविध पशुधन उत्पादक प्रणालियों को अपनाकर कृषि आय बढ़ाने के लिए प्रेरणा हेतु सजीव प्रदर्शन नमूनों की स्थापना

राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

खरगोश पालन एक बहुत लाभदायक व्यवसाय है। एक अच्छी तरह प्रबंधित रेबिट्री में यह व्यवसाय अत्यधिक लाभ देने वाला व्यवसाय है। एक मादा खरगोश 5–6 महीने की उम्र में ही परिपक्व हो जाती है। इसका ग्याभन काल भी 30–35 दिन ही होता है । एक मादा खरगोश एक बार में 4–6 बच्चे एक साथ देती है जिसे लिटर कहतें है। अच्छा प्रबंधन होने पर एक वर्ष में, एक मादा खरगोश से 5–6 लिटर प्राप्त किये जा सकते हैं।

मादा खरगोश के बच्चे जनने को किण्डलींग कहते है जो कि अच्छे प्रबंधन से ज्यादा तीव्रता से बढती है। खरगोश का वजन 4–5 पॉण्ड होने पर बाजार में बेचने लायक समझा जाता है, यह वजन खरगोश आठ सप्ताह की उम्र में कर पाता है। खरगोश का माँस सबसे पौष्टिक माँस समझा जाता है क्योंकि इसमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है एवम् वसा व कॉलेस्ट्रॉल कम होते है तथा यह माँस सबसे कम कैलोरी का होता है।

आवास :-खरगोश पालन के लिये उचित वायु निकास का होना बहुत आवश्यक है। शुद्ध वायु के अभाव में खरगोश में कई श्वसन संबंधी बिमारियाँ हो जाती है इसलिये हम तार के जाल का उपयोग करते है। खरगोश के आवास के लिये तार के जाल से बने ग्रीड जो कि एक वर्गाकार आकृति बनाते है, एवम् इनमें से अपशिष्ट/मलमूत्र अपने आप पिंजरे से बाहर निकल जाते है। खरगोश के मलमूत्र अपशिष्टों को संग्रहित करने के लिये एक विशेष प्रकार की "कैचट्रे" होती है। खरगोश के इस पिंजरे के फर्श का कुछ भाग दृढ होता है जो कि खरगोश के पैरों को साँर से बचाता है। खरगोश के पिंजरों एवम् बर्तनों को समय–समय पर एक चम्मच ब्लीच मिश्रण के पानी में डालकर बदबू एवम् बिमारियों से दूर रखा जा सकता है।

पिंजरों का आकार:-

खरगोश के पिंजरों का आकार खरगोश के आकार के आधार पर निर्भर करता है।

खरगोश की नस्ल	वजन	पिंजरे का आकार
छोटी नस्ल के लिये	(1 –2 किग्रा)	30X30 X12 इन्च
मध्यम नस्ल के लिये	(2.5 –3किग्रा)	30X36 X12–14 इन्च
बडी नस्ल के लिये	(3.5 – 5 किग्रा)	30X40–48X14–16 इन्च

लिंग निर्धारण :- सामान्यतया शारीरिक रूप से एक मादा खरगोश अपने बड़े सिर के कारण एक नर खरगोश से आकार में बड़ी होती है। नर खरगोश में लैंगिक अंग गोलाकार आकृति लिये बाहर निकला होता है जबकि मादा खरगोश में लैंगिक अंग V आकार या स्लीट आकार का होता है। जब नर खरगोश के लिंग व वृषण परिपक्व हो जाते है तो उसे आसानी से प्रेक्षित किया जा सकता है।

खान-पान/भोजन :-खरगोश को भोजन प्यालों में स्वतः खाने के लिये दिया जाता है। खरगोश कभी भी धूल से संक्रमित भोजन नहीं खाता। हरी घास खरगोश को बहुत पसंद है। हरी घास के रेशे खरगोश में सामान्य पाचन को बढ़ावा देते है। खरगोश को दिये जाने वाले भोजन (पैलेट्स) में 16 प्रतिशत रेशे होने चाहिये। भोजन में दिये जाने वाले पैलेट्स को ताजा रखने व चूहों से बचाने के लिये इन्हें प्रतिबंधित वायु निकास बर्तन में रखा जाता है। भोजन में दी जाने वाली पैलेट्स में भोजन के आवश्यक तत्व मौजूद रहते है। इन तत्वों के अतिरिक्त अन्य कोई तत्व साथ मिलाने की आवश्यकता नहीं होती।

भोजन निर्देशन :-		ग्राम
छोटी नस्ल के लिये	-	60 - 80 ग्राम प्रति दिन
मध्यम नस्ल के लिये	-	80 - 100 ग्राम प्रति दिन
बडी नस्ल के लिये	-	120 - 150 ग्राम प्रति दिन

खरगोश को भोजन की आवश्यकता विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जैसे जनन के दौरान, विभिन्न क्रियाशीलताएँ और वातावरणीय कारक है। भोजन की दर उसके शरीर की आवश्यकतानुसार व्यवस्थित करनी चाहिये।

बीमारियाँ एवं रोकथाम :-

बीमारियाँ	लक्षण	उपचार
कॉक्सीडियोसीस	भूख का बंद होना, बालों के आवरण का खुरदरा होना, वजन का घटना।	साफ सफाई,पानी में सल्फा औषधी।
वेन्ट डिजिज	वेन्ट में सूजन, जलन, पपड़ीनुमा हो जाना।	पपड़ी हटाना एवं एंटीबायटिक मल्हम।
साँर आइज	आखों के चारों तरफ पानी जैसा एवं दूधनुमा स्त्राव।	विटामिन ए की मात्रा को बढाना एवम् आखों में आफथैलेमिक एंटीबॉयटिक डालना।
साँर हाक्स	हाँक जोड में साँर का होना।	एंटीबॉयटिक्स।
स्लॉबरस	अत्यधिक लार का गिरना।	हरी घास की मात्रा कम कर देनी चाहिये।

-: तकनीकी मार्गदर्शन हेतु आभार :-

प्रो. (डॉ.) कर्नल ए. के. गहलोत, कुलपति
राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

प्रो. बी. के. बेनीवाल, अधिष्ठाता
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

प्रो. एस. सी. गोस्वामी, विभागाध्यक्ष
पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन विभाग, सी.वी.ए.एस., बीकानेर

-:: सम्पर्क सूत्र ::-

डॉ. सी. एस. ढाका
9414328437
पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग
सी.वी.ए.एस.
राजूवास, बीकानेर

Under CSA-RKVY-1(15) Project

Establishment of Live Demonstration Models of Diversified Livestock Production Systems For Motivating Adaption To Enhancing Agricultural Income

मुद्रक : डायमंड प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनरी, बीकानेर # 9784105819